इंटरनेशनल दो दिवसीय वर्चुअल कांफ्रेस रिपोर्ट

स्व0श्री0म0 मो0 उपा0 स्व0 सं0 से0 रा0 स्ना0महा0द्वाराहाट (अल्मोड़ा)

स्व0 श्री0म0 मो0 उपा0 स्व0 सं0 से0 रा0 स्ना0महा0द्वाराहाट (अल्मोड़ा) में दिनॉक 12 व 13 जुलाई 2021 को अर्थशास्त्र विभाग की ओर से दो दिवसीय online international virtual Conference का आयोजन प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक किया गया। इसका विषय **कोविड महामारीः परिणाम और चुनौतियॉ** था। प्रमुख वक्ता और विशेषज्ञ के रूप में इण्डोनेशिया के इतिहास विभाग के प्रो0 वसिनो ने इस ऑनलाइन कांफ्रेस में प्रतिभाग किया। प्रो0 वसिनो ने अपने व्याख्यान में वैश्विक महामारी को इण्डोनेशिया और विश्व के अधिकॉश देशो में महामारी के इतिहास और उनके कारण पड़ने वाले आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण किया। कोविड महामारी के दौरान लगने वाले सूक्ष्म लॉकडाउन की परिस्थिति में सरकार की भूमिका को उजागर किया । इस वैश्विक महासंकट में दुनिया में हुई जनहानि के साथ भारी आर्थिक नुकसान से उबरने को खौंफ नही, जागरूकता व सावधानी के साथ कदम आगे बढाने होगें। साथ ही घाटे की मार झेल रही औद्योगिक इकाईयों को विशेष पैकेज की आवश्यकता को महत्तवपूर्ण बताया।

वर्चुअल कांफ्रेस में प्रख्यात वक्ता के रूप में प्रो0 (श्रीमती) अनुपम शर्मा, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान और मानवाधिकार विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध्यप्रदेश) ऑनलाइन उपस्थित रही। उन्होनें वर्चुअल कांफ्रेस में कोविड महामारी के परिणानों के सन्दर्भ में विकासशील विश्व समुदाय पर पडने वाले प्रभावों के विषय में व्याख्यान दिया और बताया कि कोविड महामारी द्वारा विश्व के अधिकॉश देशों में लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का ह्यास हुआ और मानवाधिकारों का हनन हुआ है। कोविड महामारी के राजनीतिक परिणामों से निपटने-हेतु विश्व के समस्त देशों एव संस्थाओ के बीच समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो0 अतवीर सिंह ने कोविड पूर्व एवं कोविड पश्चात अर्थव्यवस्था के विभिन्न भागों (मॅहगाई, मुद्रास्फीति, ग्रामीण विकास, आर्थिक मंदी में मॉग, पलायन, राजकोषीय घाटा, तरलता संकट तथा सरकारी व्यय) पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंनें कोविड परिस्थितियों के अन्तर्गत कृषि क्षेत्र को उन्नत बनाने का सुझाव दिया। कृषि क्षेत्र को उन्नत करने से दो लाभ होगें। विभिन्न उत्पादों से सकल घरेलू उत्पाद बढ़ेगा और इसका लाभ लोगों को रोग प्रतिरोधक क्षमता के रूप में दिखेगा। इसीलिए सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए तथा अर्थव्यवस्था को बचाने हेतु मॉग को बढ़ाकर आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। इसके साथ ही एस0 एस0 जे0 विश्वविद्यालय अल्मोड़ा उत्तराखण्ड के इतिहास विभाग के प्रो0 अनिल के0 जोशी ने उत्तराखण्ड के कुमाऊँ और गढ़वाल क्षेत्र में ब्रिटिश काल से वर्तमान समय तक के अनेक संक्रामक रोगों पर व्याख्यान दिया। साथ ही कोविड़ के विभिन्न रूपों को समझने के लिए इस प्रकिया को आवश्यक बताया।

इस दो दिवसीय इंटरनेशनल वर्चुअल कांफ्रेस में कुछ शोध पत्रों का भी प्रस्तुतीकरण किया गया। डा0 अपर्णा सिंह, डा0 अनुराग शर्मा, डा0 पी0 के0 झा, डा0 हरीश जोशी, डा0 ममता सुयाल, डा0 विपिन शर्मा, डा0 प्रद्युम्न कुमार रिछारिया तथा दिवांकर ने शोध पत्र प्रस्तुत किये । कांफ्रेस में भारत के विभिन्न राज्यों जैसे उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, आसाम, गुजरात, कर्नाटक, मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के

साथ अन्य प्रदेशों के विषय ज्ञाता व अकादमिक क्षेत्र के विद्वानजन
के विभिन्न देशों के अन्य कई स्थानों जैसे सेमरांग (इण्डोनेशि
प्रख्यात विद्वान व अकादमिक क्षेत्र में गहन रूचि रखने वाले व्यक्ति
पर संरक्षिका, उच्च शिक्षा उत्तराखण्ड़ की निदेशक डा0 कुमकुम
महाविद्यालय में आयोजित कराने हेतु हर्ष व्यक्त किया।

प्रो0 पंकज कुमार, प्रो0 रेनू प्रकाश, आचार्य विक्रम देव,
वाडगे, डा0 आफरीदा हुसैन, डा0 दीपक उप्रेती, डा0 रीना तोम
प्रतिभाग किया।

दो दिवसीय इन्टरनेशनल वर्चुअल कांफ्रेस की अध्यक्षता
द्वारा की गयी। इस ऑनलाइन इन्टरनेशनल वर्चुअल कांफ्रेस की
डा0 उपासना शर्मा रही। विषय विशेषज्ञ, प्रख्यात वक्ता सहित
प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्याप
ज्ञापित किया गया। आयोजक समिति में डा0 अंजुम अली व डा0
समिति में डा0 दर्शन सिंह, डा0 निर्दोषिता बिष्ट व डा0 सुमन
पर डा0 प्रकाश चन्द्र भटट्, डा0 नरेन्द्र कुमार सिंह, डा0 पूनम
उपस्थित रहे।